प्राथमिक अंग्रेज़ी

अंग्रेज़ी के लिए सामुदायिक संसाधन

भारत में विद्यालय आधारित समर्थन के माध्यम से शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

संदेश

शिक्षकों को बाल केंन्द्रित कक्षा अभ्यास की ओर उन्मुख करने तथा शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को सम्मुख रखते हुए TESS-India राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है। इस दिशा में TESS-India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) का विकास किया गया है । ये संसाधन शिक्षकों तथा शिक्षक–प्रशिक्षकों के वृत्ति विकास (Professional development) में लाभकारी एवं उपयोगी सिद्ध होंगे। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के नेतृत्व में इन संसाधनों का स्थानीयकृत किया गया है, जिसके अन्तर्गत इनके उद्देश्य के मूल को बरकरार रखते हुए इनमें स्थानीय, भाषा, बोली, प्रथाओं, संस्कृतियों तथा नियमों को सम्मिलित किया गया है। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता एवं सुगमता पूर्वक किया जा सकता है ।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के मार्गदर्शन में TESS-India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) नेट पर आप सभी के लिए सुलभ उपलब्ध है ।

शुभकामनाओं सहित ।

(डॉ0 मुरली मनोहर सिंह)
निदेशक
एस0सी0ई0आर0टी0, बिहार

समीक्षा एवं दिशाबोध
डॉ. मुरली मनोहर सिंह, निदेशक राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. सैयद अब्दुल मोईन, विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. क़ासिम खुर्शीद, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्
डॉ. इम्तियाज़ आलम, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. स्नेहाशीष दास राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. अर्चना, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. रीता राय, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
श्री तेज नारायण प्रसाद, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

स्थानीयकरण
भाषा और शिक्षा
डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, प्राचार्य, मैत्रेय कॉलेज ऑफ एडुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर, वैशाली
श्री सुमन सिंह, प्रखंड साधनसेवी, भगवानपुर हाट, सिवान
श्री कात्यायान कुमार त्रिपाठी, प्राथमिक विद्यालय चैलीटाल, पटना
श्री कृत प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, हिलसा, नालंदा
प्राथमिक अंग्रेज़ी
श्री अरशद रज़ा, सहायक शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय, पचासा रहुई, नालंदा
श्री संतोष सुमन, सहायक शिक्षक, बालिका उच्च विद्यालय, महुआबाग
श्री शशि भूषण पाण्डेय, सहायक शिक्षक, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, मुकुन्दपुर, नालंदा
श्रीमती रचना त्रिवेदी, शिक्षिका, नोट्रेडेम अकादमी, पटना
माध्यमिक अंग्रेज़ी
श्री मणिशंकर, प्रधानाध्यापक, तारामणी भगवानसाव उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोइलवर, भोजपुर
डॉ. ब्रजेश कुमार, शिक्षक, पी. एन. एंग्लो संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, नया टोला, पटना
प्राथमिक गणित
श्री कृष्ण कान्त ठाकुर
श्री दिलीप कुमार, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, बुलनी हैदरपुर, नालंदा
श्री गोविन्द प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, चनपटिया, पश्चिमी चम्पारण
माध्यमिक गणित
डॉ. राकेश कुमार, भागलपुर डायट
श्री रिज़वान रिज़वी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सिलौटा चाँद, कैमूर
श्री इन्द्रभूषण कुमार, शिक्षक, सहयोगी माध्यमिक विद्यालय, हाजीपुर, वैशाली
प्राथमिक विज्ञान
श्री मनोज त्रिपाठी, प्रखंड साधनसेवी, बरहारा, भोजपुर
श्री शशिकान्त शर्मा, प्रखंड साधनसेवी, आरा, भोजपुर
श्री रणबीर सिंह, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, आदर्श आवासीय मध्य विद्यालय शिक्षक संघ, सहरसा
माध्यमिक विज्ञान
श्री जी.वी.एस.आर प्रसाद
श्री मुकुल कुमार, शिक्षक, सहायक शिक्षक, गोरखनाथ सूर्यदेव माध्यमिक विद्यालय, राजापाकर वैशाली

TESS-India (Teacher Education Through School Based Support) का लक्ष्य है भारत में मुक्त शैक्षिक संसाधनों के द्वारा प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों पर शिक्षकों के कक्षा अभ्यासों को बेहतर करना। ये संसाधन शिक्षकों के छात्र–केन्द्रित, भागीदारी दृष्टिकोण को विकसित करने में सहायता करेंगे।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Education Resources – OERs) शिक्षकों को विद्यालय की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। ये संसाधन शिक्षकों के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं जो वे कक्षा में अपने छात्रों के साथ कर सकते हैं। साथ ही इनमें केस स्टडी भी हैं जो ये दर्शाते हैं कि किस प्रकार दूसरे शिक्षकों ने उस विषय को सिखाया है। संबंधित संसाधन शिक्षकों को पाठ योजना बनाने में और विषय पर ज्ञान वर्धन करने में उनकी सहायता करते हैं।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल हैं। ये *भारतीय तथा अतंर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार* किये गये हैं *और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध है (http://www.tess-india.edu.in)* / मुक्त शैक्षिक संसाधन अनेकों संस्करणों में उपलब्ध हैं जो प्रत्येक राज्य के लिए उपयुक्त है जहाँ TESS India कार्यरत है। उपयोगकर्ता इन संसाधनों को अनुकूल और स्थानीयकृत करने के लिए स्वतंत्र हैं ताकि ये स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को पूरा कर सकें।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई की कुछ गतिविधियों के साथ निम्न प्रतीक का उपयोग किया गया है: *. इससे संकेत मिलता है कि निर्दिष्ट अध्यापन संबंधी थीम के लिए TESS-India वीडियो संसाधनों को देखना आपके लिए उपयोगी होगा।*

TESS-India वीडियो संसाधन भारत में अनेक प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में मुख्य अध्यापन तकनीकों का वर्णन करते हैं। हमें आशा है कि वे आपको इसी प्रकार के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। उनका उद्देश्य पाठ (टेक्स्ट) पर आधारित इकाइयों के माध्यम से काम करने के आपके अनुभव का पूरक होना और उसे बढ़ाना है।

TESS-India वीडियो संसाधनों को ऑनलाइन देखा या TESS-India की वेबसाइट, http://www.tess-india.edu.in/ से डाउनलोड किया जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, आप ये वीडियो सीडी या मेमोरी कार्ड के माध्यम से भी देख सकते हैं।

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है
http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

इस इकाई में आप जानेंगे कि आप और आपके छात्र प्रतिदिन जिस मौखिक और लिखित अंग्रेज़ी के संपर्क में आते हैं, उसका उपयोग करके अंग्रेज़ी कैसे सिखाई जा सकती है। यह 'रोज़मर्रा' की अंग्रेज़ी आपको ऐसे रोचक शिक्षण संसाधन उपलब्ध करा सकती है, जो छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहन दे सकता है।

भारत में अंग्रेज़ी का उपयोग अलग–अलग उद्देश्यों के लिए और देश के हर भाग में अलग–अलग तरीके से किया जाता है। बड़े शहरों में कई लोग हर दिन अंग्रेज़ी का उपयोग करते हैं। अंग्रेज़ी सड़क किनारे लगे साइनबोर्ड पर, विज्ञापनों में, अख़बारों और पत्रिकाओं में दिखाई देती है और एफएम रेडियो पर, लोकप्रिय संगीत में और सिनेमा में सुनी जाती है।

दूरस्थ गाँवों में, अंग्रेज़ी बोलने वाला समुदाय आमतौर पर नहीं दिखाई देता, लेकिन वहाँ अक्सर अंग्रेज़ी मौजूद होता है। 'bus', 'car', 'phone', 'TV', 'radio', 'fridge' या यहाँ तक कि 'school' जैसे शब्द भी अब देश के ज्यादातर भागों में हर दिन की शब्दावली का हिस्सा बन चुके हैं। जब आप इस पर ध्यान देते हैं, तो आपको पता चलेगा कि अंग्रेज़ी आपकी उम्मीद से ज्यादा मौजूद है – भोजन के पैकेटों पर, टिकटों और कपड़ों के लेबलों पर और संगीत में भी। हर गाँव में बस या रेल लिंक होती है, जहाँ लोग आते हैं और आस-पास के कस्बों या शहरों तक जाते हैं। ऐसे लोग अंग्रेज़ी के संसाधन हो सकते हैं। वे अपने गाँव से बाहर के लोगों के साथ संवाद करने के अनुभवों के बारे में बता सकते हैं, और यह भी बता सकते हैं कि वे इसके लिए अंग्रेज़ी या अन्य भाषाओं का उपयोग किस प्रकार करते हैं।

एक शिक्षक के रूप में आप अपने समुदाय से और अपने आस-पास के समुदाय से अंग्रेज़ी को अपनी कक्षा में ला सकते हैं। यह इकाई इस काम की शुरुआत करने में आपकी मदद करने के लिए तैयार की गई है।

आप इस इकाई में सीख सकते हैं

- अपने समुदाय में अंग्रेज़ी के संसाधनों का पता लगाने में।
- छात्र–छात्रा पहले से ही अंग्रेज़ी के बारे में क्या जानते हैं, यह समझने में।
- अंग्रेज़ी को कक्षा के भीतर और बाहर जोड़ने में।

1 रोजमर्रा की अंग्रेज़ी क्या है?

आपको सबसे पहले यह सोचना होगा कि 'रोजमर्रा की अंग्रेजी' क्या है और आप अपने समुदाय में एक संसाधन के रूप में इसे कैसे पहुँचा सकते हैं।

गतिविधि 1: रोज़मर्रा की अंग्रेजी क्या है?

भारत में, अधिकांश समुदाय कई भाषाओं का उपयोग करते हैं। इसका अर्थ यह है कि विद्यालय आने वाले कई छात्र–छात्रा एक से ज्यादा भाषा बोलते हैं। हमारे समाज में अंग्रेज़ी की मौजूदगी के कारण, छात्र–छात्रा अपनी दैनिक बातचीत में भी नियमित रूप से कुछ अंग्रेज़ी शब्दों का उपयोग करते होंगे, भले ही उन्हें अहसास न हो कि ये अंग्रेज़ी शब्द हैं।

हमारी रोजमर्रा की भाषा में, हम अक्सर आम वस्तुओं और गतिविधियों के लिए अंग्रेज़ी शब्दों का उपयोग करते हैं। उदाहरण के लिए, हममें से जो लोग शहरों में रहते हैं, उनके पास holidays *हैं, हम* factories *या* offices, *में काम करते हैं और हम* school *में एक* bag *के साथ जाते हैं, जो* books, pens, pencils *और* water bottles *से भरे होते हैं, जिसके लिए हम* buses *में* roads. *पर यात्रा करते हैं। यहाँ तक कि जो लोग शहरों में नहीं रहते हैं, उन्हें भी कई अंग्रेज़ी शब्द आते होंगे। उदाहरण के लिए,* 'post office' *और* 'bus stop' *शब्दों को लोग पूरे भारत में समझ लेते हैं। कुछ नए हाइवे पर अब रोड टोल या* 'tax' *वसूला जाता है। कई लोग इन शब्दों का अर्थ सीख गए हैं, जबकि उन्हें खासतौर पर इन*

शब्दों को बोलना सिखाया नहीं गया था।

आप रोज़मर्रा की अंग्रेज़ी के किन शब्दों को जानते हैं? उनकी सूची बनाएँ और आप उनमें से जिन शब्दों का कक्षा में उपयोग करते हैं, उन्हें चिह्नित करें। क्या आपके छात्र–छात्राओं को भी ये शब्द मालूम हैं? सूची में उन शब्दों को हाइलाइट करें, जो आपके छात्र–छात्राओं को मालूम होंगे।

जब छात्र समुदाय में दिखाई और सुनाई देने वाली अंग्रेज़ी को समझने की कोशिश करते हैं, तब उनका ध्यान इसका अर्थ समझने पर केंद्रित होता है। वे यह भूल सकते हैं कि वे भाषा सीख भी रहे हैं। जब आप दैनिक अंग्रेज़ी का अपना और अपने छात्र–छात्राओं का ज्ञान आगे बढ़ाते हैं, तो आप प्रामाणिक अंग्रेज़ी सीखने में उनकी मदद करते हैं – इसका मतलब है ऐसी अंग्रेज़ी, जिसका उपयोग वे कक्षा के बाहर वास्तविक दुनिया में भी कर सकते हैं।

गतिविधि 2: रोज़मर्रा की अंग्रेजी – एक योजना गतिविधि

अपने खुद के समुदाय के बारे में सोचें और यह सोचें कि आपके अनुसार निम्नलिखित अंग्रेज़ी संसाधनों में से कौन-से संसाधन आपके लिए और आपके छात्र–छात्राओं के लिए उपलब्ध हैं:

- पत्रिकाएँ
- अख़बारों के लेख
- विज्ञापन
- खेल रिपोर्टें
- लोकप्रिय गीत
- रस्टोरेंट के मेनू कार्ड
- सड़क किनारे लगे साइन बोर्ड
- दुकानों में लगे साइन बोर्ड
- पर्यटक सूचना पत्र
- नक्शे
- टिकट
- कॉमिक्स
- ग्रीटिंग कार्ड
- बस की समय सारिणी
- टी-शर्ट
- कैलेंडर
- खाद्य पदार्थों या चिकित्सा उत्पादों के कवर
- सिनेमा
- रेडियो
- टेलीविजन
- इन्टरनेट।

अगले कुछ सप्ताहों तक अपने साथ एक कॉपी रखें। आपको अपने समुदाय में अंग्रेज़ी में जो भी देखने और सुनने को मिलता है, उसके बारे में टिप्पणी दर्ज करते जाएँ। इन्हें आपके द्वारा गतिविधि 1 में बनाई गई सूची में जोड़ें। यदि कोई ऐसे शब्द हैं, जिन्हें आप नहीं पहचान पाते हैं, तो उनके अर्थ किसी शब्दकोश में ढूँढें। शब्दों को सीखने में मदद पाने के लिए अपनी कॉपी में इनकी परिभाषाएँ लिखें।

क्या कोई ऐसी जगहें हैं, जहाँ अंग्रेज़ी का उपयोग दिखने या सुनाई देने की संभावना ज्यादा है? ये कौन-सी जगहें हैं? आपको ऐसा क्यों लगता है कि आपको इन जगहों पर अंग्रेज़ी ज्यादा देखने या सुनने को मिलती है? दैनिक अंग्रेज़ी के कुछ उदाहरण चित्र 1 में दर्शाए गए हैं, जिनसे आपको कुछ विचार मिल सकते हैं।

चित्र 1: समुदाय में अंग्रेज़ी के उदाहरण: (a) पैकेजिंग पर; (b) मोबाइल फोन सेवाओं के एक विज्ञापन में; (c) बच्चों की टी-शर्टों पर; (d) एक विज्ञापन में गाँव की दीवार पर; (e) विद्यालय में द्विभाषी साइनबोर्ड पर; (f) सड़क किनारे लगे साइनबोर्ड पर।

अपनी सूची बना लेने के बाद, इसकी समीक्षा करें और इस बारे में सोचें कि क्या आपके छात्र–छात्राओं का भी इन स्थानों पर अंग्रेज़ी से संपर्क होने की संभावना है। क्या वे इस भाषा से परिचित होंगे? आप अपने भाषा पाठों में जो शब्द और वाक्यांश सिखाते हैं, क्या उनमें से कुछ स्थानीय पर्यावरण में भी मौजूद हैं? आपने जो उदाहरण इकट्ठे किए हैं, क्या आप उनमें से कुछ का उपयोग कक्षा में कर सकते हैं?

अपने विद्यालय के आस-पास सामुदायिक संसाधन हासिल करने के बारे में अधिक जानकारी के लिए संसाधन 1, 'स्थानीय संसाधनों का उपयोग करना' देखें।

2 पता लगाएँ कि आपके छात्र–छात्रा कितनी अंग्रेज़ी जानते हैं

यह भी संभव है कि आप जितना सोचते हैं, आपके छात्र–छात्राओं को उससे ज्यादा अंग्रेज़ी आती हो। केस स्टडी 1 में एक शिक्षक यह पता लगाते हैं कि उनके छात्र–छात्रा क्या जानते हैं।

केस स्टडी 1: श्री नारायण यह पता लगाते हैं कि उनके छात्र–छात्रा अंग्रेज़ी के बारे में कितना जानते हैं

श्री नारायण पश्चिमी चम्पारण के एक थारू बहुल क्षेत्र के विद्यालय में कक्षा एक से तीन में अंग्रेज़ी के शिक्षक हैं। वह बज्जिका और हिन्दी बोलते हैं, लेकिन उन्हें स्थानीय भाषा, थरूआरी, का बहुत सीमित ज्ञान है।

मैं जिन छात्र–छात्राओं को पढ़ाता हूँ, वे ग्रामीण पृष्ठभूमि से हैं और उनमें से कई छात्र ऐसे परिवेशों से आते हैं, जो 'प्रिंट-रिच' नहीं हैं। यदि मैं किसी शहर में पढ़ा रहा होता, तो मैं ये उम्मीद करता कि छात्र–छात्राओं ने अपने घर में अंग्रेज़ी सुनी होगी या उनके अभिभावक अंग्रेज़ी अख़बार पढ़ते होंगे। मैंने सोचा नहीं था कि मैं गाँव में जिन छात्र–छात्राओं को पढ़ाता हूँ, वे अपने स्थानीय परिवेश में अंग्रेज़ी के ज्यादा संपर्क में आए होंगे। लेकिन मैं गलत था!

एक दिन मैंने छात्र–छात्राओं से पूछा कि उन्हें कौन-से खेल खेलना पसंद है। इसमें आश्चर्य नहीं था कि उनमें से सभी ने उत्तर में 'Cricket!' कहा, लेकिन मुझे आश्चर्य इस बात से हुआ कि छात्र–छात्राओं को क्रिकेट से संबंधित कई अंग्रेज़ी शब्द मालूम थे। इसलिए मैंने उन शब्दों को बोर्ड पर लिखना शुरू किया। कुछ देर बाद यह सूची इतनी लंबी हो गई कि मैं एक कॉपी में वे सारे शब्द लिखने लगा, जो उन्हें मालूम थे। कुछ ही दिनों में यह सूची क्रिकेट से जुड़े शब्दों और वाक्यांशों से आगे बढ़कर अन्य खेलों तक भी पहुँच गई।

सप्ताह के अंत तक, मेरे पास 100 से भी ज्यादा अंग्रेज़ी शब्दों और वाक्यांशों की सूची बन चुकी थी, जो छात्र–छात्राओं को पहले से मालूम थे: बाज़ार में उपयोग होने वाले शब्द, व्यवसायों के शब्द और परिवहन व वाहनों से जुड़े शब्द और खेती–बाड़ी से जुड़े शब्द थे। उन्हें 'tractor' 'Jeep', 'tyre', 'brake', 'lights' जैसे शब्द, और 'water', 'air', 'petrol', 'nut', 'bolt' 'pipe repair' जैसे शब्द। मुझे यह अंतिम शब्द नहीं मालूम था। फिर छात्र–छात्राओं के हावभावों और वर्णन से, मुझे अहसास हुआ कि वे इस शब्द का उपयोग 'spanner' के लिए करते थे। मैंने उन्हें इनके समकक्ष अंग्रेज़ी शब्द से परिचित करवाया।

जल्दी ही मेरे पास कई सूचियाँ बन गईं। मैंने उन तरीकों के बारे में सोचना शुरू किया, जिनका उपयोग करके मैं छात्र–छात्राओं की सीखने में मदद कर सकता था। पहले मैंने इन सूचियों पर निगाह डाली, और उनमें ऐसे शब्द ढूँढे, जो उनके पाठों में भी आते थे। मैंने इस बारे में और ज्यादा सोचना शुरू किया कि मैं पाठ्यपुस्तक के पाठ पढ़ाते समय छात्र–छात्राओं को किस तरह याद दिला सकता कि वे पहले से ही इन शब्दों को जानते हैं।

ज़रा सोचिए

श्री नारायण ने बोर्ड पर उन शब्दों को संकलित करना शुरू किया, जिन्हें उनके छात्र–छात्रा जानते थे। लेकिन यह सूची बढ़ती ही गई। क्या आप एक ऐसी अंग्रेज़ी शब्दावली की सूची संकलित करने के तरीकों के बारे में सोच सकते हैं, जिससे आपके छात्र उनके समुदायों से परिचित हों? आप इस सूची को किस प्रकार छात्र–छात्राओं के शिक्षण से जोड़ सकते हैं?

- क्या आप शब्दों और चित्रों को कक्षा की दीवार पर प्रदर्शित कर सकते हैं?
- क्या आप कक्षा के लिए एक 'English reference book' बना सकते हैं और इसका रखरखाव कर सकते हैं, जिसकी आप नियमित रूप से छात्र–छात्राओं के साथ समीक्षा करेंगे?
- कौन-सी बाधाएँ आपको इस तरह की गतिविधियों से रोकती हैं?

गतिविधि 3: पता लगाएँ कि आपके छात्र कौन-कौन से अंग्रेज़ी शब्दों और वाक्यांशों से परिचित हैं

क्या आपने ध्यान दिया है कि आपके छात्र पहले से ही कुछ अंग्रेज़ी शब्दों और वाक्यांशों से परिचित हैं? सारणी 1 को देखें और इस बारे में सोचें कि बायीं-तरफ वाले स्तंभ में दिए गए एक या अधिक विषयों के बारे में बोलते समय आप किन शब्दों या वाक्यांशों का उपयोग करते हैं।

सारणी *1: क्या आपके छात्र–छात्रा इन विषयों से संबंधित कोई भी अंग्रेज़ी शब्द जानते हैं?*

विषय	अंग्रेज़ी शब्दों और वाक्यांशों के उदाहरण
क्रिकेट या अन्य खेल	bat, ball, game, out, team, point, score, stadium, field
लोगों की नौकरियाँ	police, teacher, guard, driver, doctor, nurse, engineer
हमारे द्वारा उपयोग किए जाने वाले वाहन और उनसे संबंधित शब्द	bus, car, scooter, train, cycle, petrol
घर और उनमें पाई जाने वाली वस्तुएँ	gate, door, bed, TV, computer, kitchen, phone, bulb, light, current
हमारे द्वारा उपयोग किए जाने वाले औज़ार	hammer, tape, pencil, rubber
हम जो खाते और पीते हैं	cool drink, juice, bread, biscuit
मनोरंजन के विभिन्न रूप	film, actor, dance, music, singer
कंप्यूटर, तकनीक और मोबाइल फोन	computers, text message, mobile phones
दवा	prescriptions, cough syrup, vitamin, tonic

अपने छात्र–छात्राओं से कहें कि इन विषयों से जुड़े जितने शब्दों और वाक्यांशों को वे जानते हैं, किसी भी भाषा में उनकी एक सूची बनाएँ। क्या इनमें से कुछ शब्द और वाक्यांश अंग्रेज़ी में हैं?

अपने छात्र–छात्राओं के शब्दों की तुलना सारणी 1 में दायीं-तरफ बने स्तंभ में दिए गए उदाहरणों के साथ करें। सारणी 1 की एक प्रति का उपयोग करके, छात्र–छात्राओं द्वारा बोले गए शब्द पर निशान लगाएँ – भले ही वे इसे अलग–अलग तरीकों से बोलते हों, जैसा कि 'pana'/'spanner' केस स्टडी 1 में हुआ। क्या उन्होंने कोई और अंग्रेज़ी शब्द उपयोग किए थे?

इस तरह की गतिविधि में सहायता करने के लिए, शायद आपको अपने विद्यालय में विशेष विषयों के शिक्षकों से बात करना रोचक लगेगा। खेल प्रशिक्षक अक्सर अंग्रेज़ी शब्दों और वाक्यांशों का उपयोग करते हैं, जैसे 'Run!' या 'Stand in a line!' इसी तरह विज्ञान के शिक्षक अक्सर उपकरणों को उनके अंग्रेज़ी नाम से संदर्भित करते हैं (उदाहरण, 'microscope'), और जो शिक्षक स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में बात करते हैं, वे 'antiseptic' और 'bandage' जैसे शब्दों का ज़िक्र करते हैं। इस तरह छात्र–छात्रा एक ही समय पर अंग्रेज़ी और एक अन्य विषय सीखते हैं।

आपने और आपके छात्र–छात्राओं ने जो अंग्रेज़ी शब्दों की सूची बनाई है, उसके आधार पर आप एक वर्ड वॉल बना सकते हैं।

बड़े अक्षरों में छः से आठ शब्द लिखें और उन्हें कक्षा में प्रदर्शित करें। शब्दों को बार-बार देखने से छात्र–छात्राओं को उनसे परिचित होने में मदद मिलेगी। आप सप्ताह में एक बार इस सूची में बदलाव या सुधार कर सकते हैं।

3 अंग्रेज़ी शब्दों को खोजना

अब निम्नलिखित गतिवधि आज़माकर देखें।

गतिविधि 4: समुदाय में अंग्रेज़ी

चूंकि हमारी स्थानीय भाषाओं में, इतनी बड़ी मात्रा में अंग्रेज़ी का उपयोग हो रहा है, इसलिए कुछ छात्र–छात्रा ऐसे भी होंगे, जो अंग्रेज़ी का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन उन्हें इसका अहसास नहीं है। ऐसे कई तरीके हैं, जिनके द्वारा आप छात्र–छात्राओं को उनके समुदाय में अंग्रेज़ी भाषा के बारे में ज्यादा जागरुक बना सकते हैं। यहाँ कुछ गतिविधियों के उदाहरण हैं, जिनका उपयोग प्राथमिक शिक्षकों ने किया है:

- छात्र–छात्राओं को रेलवे स्टेशन ले जाएँ। अंग्रेज़ी में लगे सभी साइनबोर्ड देखें और उनके अर्थ के बारे में चर्चा करें।
- एक टूथपेस्ट का विज्ञापन लाएँ, जिसमें कहा गया हो कि 'Brush your teeth every day'। 'tooth' और 'teeth' जैसे शब्दों के अनियमित बहुवचनों पर चर्चा करें।
- एक सप्ताहांत में समुदाय में अंग्रेज़ी शब्दों को ढूँढने का होमवर्क दें। उदाहरण: अख़बार, पत्रिकाएँ, विज्ञापन; सिनेमा या अन्य मनोरंजनों के टिकट, और 'Entry', 'Exit', 'Tickets' और 'Toilet' जैसे साइनबोर्ड; या सड़क पर बने ऐसे साइनबोर्ड जिन पर 'No parking', 'One way' और 'No entry' जैसी बातें लिखी हों। कक्षा में, उन शब्दों के बारे में चर्चा करें जो परिचित हैं और जो परिचित नहीं हैं।
- ऐसे टी-शर्ट देखें, जिन पर अंग्रेज़ी में कुछ लिखा हुआ हो। अपने कपड़ों को जाँचकर अंग्रेज़ी में लेबल ढूंढें। आपको जो शब्द और वाक्यांश मिलते हैं, उनके अर्थ के बारे में बात करें।
- छात्र–छात्राओं से कहें कि वे विद्यालय की इमारत में जो भी अंग्रेज़ी शब्द और संकेत सुनते या देखते हैं, उन्हें लिखें।
- छात्र–छात्राओं से अंग्रेज़ी में रेडियो प्रसारण सुनने को कहें। भले ही वे बहुत ज्यादा न समझते हों, लेकिन प्रामाणिक रूप से उपयोग की जाने वाली अंग्रेज़ी को सुनने से उन्हें लाभ होगा और कुछ शब्दों और वाक्यांशों को समझने में सक्षक हो पाने के कारण उन्हें इसमें मज़ा आएगा।

इनमें से एक उदाहरण चुनें और अपने छात्र–छात्राओं के साथ आज़माकर देखें। इस गतिविधि को सफल बनाने के लिए

आपको क्या व्यवस्थित करना होगा? गतिविधि में छात्र–छात्राओं का आकलन करने के लिए आप किस मापदंड का उपयोग करेंगे?

अपने छात्र–छात्राओं के साथ यह गतिविधि कार्यान्वित करें। उन्होंने किस तरह की प्रतिक्रिया दी? क्या उन्होंने ज्यादा अंग्रेज़ी शब्द सुनें या पढ़े? आपने इसका मूल्यांकन कैसे किया?

अगली केस स्टडी में, एक शिक्षिका अपनी कक्षा में एक अंग्रेज़ी अख़बार लाती हैं। भारत के कई अंग्रेज़ी अख़बारों में बाल पाठकों के लिए अतिरिक्त पृष्ठ होते हैं, जिनमें आपके छात्र–छात्राओं की रुचि के विषय हो सकते हैं।

केस स्टडी 2: श्रीमती नाज़िया एक अंग्रेज़ी अखबार के एक लेख का उपयोग करती हैं

श्रीमती नाज़िया सातवीं कक्षा को पढ़ाती हैं।

मुझे 'They have long legs' शीर्षक वाला एक छोटा-सा लेख एक अख़बार में बाल पाठकों के पन्ने में मिला जिसका शीर्षक 'Young World' था, जो *The Hindu* का भाग था। मुझे लगा कि मेरे छात्र–छात्राओं को लंबी टांगों वाले इन जीवों के बारे में सीखने में मज़ा आएगा। मुझे महसूस हुआ कि वह टेक्स्ट कक्षा सात के छात्र–छात्राओं के लिहाज से थोड़ा कठिन था, क्योंकि मुझे खुद भी कुछ शब्दावली के अर्थ ढूँढने पड़े थे। उदाहरण के लिए, मुझे मालूम नहीं था कि cranefly क्या होता है और मुझे खुद को यह याद दिलाना पड़ा कि 'vulnerable' का अर्थ क्या है। लेकिन टेक्स्ट इस लिहाज से पूर्वानुमान के योग्य था कि इसमें कीटों से पक्षियों तक और उसके बाद पशुओं के बारे में बात की गई थी। इसलिए मुझे लगा कि यदि मैं अपने छात्र–छात्राओं की मदद करुँगी, तो वे भी इसे समझ जाएँगे।

पहले पाठ में, मैंने दो पैराग्राफ ऊँची आवाज़ में पढ़कर सुनाए और कुछ अपरिचित मुख्य शब्दों का छात्र–छात्राओं के घर की भाषा में अनुवाद किया। ये दो पैराग्राफ सबसे कठिन थे, लेकिन जैसे-जैसे हम आगे पढ़ते गए, टेक्स्ट सरल हो गया। अगले पाठ में, मैंने टेक्स्ट का पहला भाग फिर से पढ़कर सुनाया और फिर हम शेष हिस्से में आगे बढ़े।

> Craneflies are insects with slender bodies and extremely long legs, which is why they are sometimes called daddy long legs.
>
> They are slow flyers and vulnerable to predators. When they perch on plants or on the ground, they bob up and down, due to their habit of alternately bending and straightening their legs.
>
> The black-winged stilt has the longest legs among birds – not the longest in absolute terms but longest relative to its body length, the legs making up 60 per cent of its height.
>
> The giraffe's great height – it is the tallest animal – is due to its long legs and neck …

छात्र–छात्रा कीड़े के लिए 'daddy long legs' नाम सुनकर चकित रह गए थे। जब मैंने बोर्ड पर क्रेन फ्लाय का चित्र बनाकर दिखाया, तब वे समझ पाए कि यह क्या होती है। 'up and down', 'bending and straightening their legs', और 'habit' वाक्यांशों के विचारों और शब्दों से छात्र–छात्रा परिचित थे। कठिन हिस्से 'vulnerability to predators' के बारे में, और 'perching' (sitting) की अवधारणा के बारे में थे। मैंने तुरंत इन शब्दों का अर्थ छात्र–छात्राओं के घर की भाषा में समझा दिया।

अब छात्र–छात्राओं ने अपनी शब्दावली में शब्द 'insect' जोड़ लिया और साथ ही शब्द 'bird' और 'animal' भी

जोड़े,जो हमारी पाठ्यपुस्तक में हैं। पक्षियों वाले हिस्से में, शरीर की तुलना में पैरों की सापेक्ष ऊँचाई को समझाने के लिए, मैंने 50 प्रतिशत (आधा), 60 प्रतिशत और 40 प्रतिशत दिखाने के लिए अपने हाथों और उँगलियों का उपयोग किया।

तब एक रोचक घटना हुई, जब तीसरा पैराग्राफ पढ़कर सुनाने से पहले मैं पूछा: 'Now you know a long-legged insect and a long-legged bird – can you think of a long-legged animal?' कई छात्र–छात्राओं ने तुरंत 'जिराफ' शब्द कहा। कुछ ने कहा कि उन्होंने टेलीविजन पर इसे देखा था। इसलिए जब मैंने बताया कि अखबार में आगे जिस जानवर के बारे बताया गया है, वह जिराफ ही है, तो छात्र–छात्रा अख़बार को देखने के लिए मेरे चारों तरफ इकट्ठा हो गए। अख़बार जैसे आधिकारिक स्रोत ने क्या कहा था, इसका सही अनुमान लगा लेने का मज़ा सचमुच बहुत ज्यादा था!

(अमृतवल्ली, 2007 से अनुकूलित)

ज़रा सोचिए

- श्रीमती नाज़िया ने कक्षा सात के छात्र–छात्राओं के लिए अखबार के एक लेख का उपयोग किया। आप छोटी कक्षाओं के लिए इस गतिविधि को कैसे अनुकूलित करेंगे?
- क्या आपको लगता है कि अंग्रेज़ी और घर की भाषा में अदलाबदली करना श्रीमती नाज़िया के लिए प्रभावी था? उन्होंने ऐसा कब और क्यों करना तय कयिा?
- श्रीमती नाज़िया के अंतिम पैराग्राफ में उनके अवलोकनों के आधार पर, आपके अनुसार उन्होंने छात्र–छात्राओं के नई शब्दावली के ज्ञान का आंकलन कैसे किया?

4 वास्तविक-जीवन की अंग्रेज़ी

अब इन दो गतिविधियों का प्रयास करें।

गतिविधि 5: अंग्रेज़ी का उपयोग करने वाले लोग – एक योजना निर्माण गतिविधि

हो सकता है कि आपके छात्र–छात्रा ऐसे लोगों को जानते हों, जो व्यक्तिगत या व्यावसायिक कारणों से नियमित रूप से अंग्रेज़ी का उपयोग करते हैं। भाषा के इन उपयोगों के बारे में उनकी जागरुकता को बढ़ाने से उनमें अंग्रेज़ी सीखने का महत्त्व पुनर्स्थापित हो सकता है।

भाषा सीखने की एक योजना बनाएँ, जहाँ आप अपने छात्र–छात्राओं से निम्नलिखित संकेतों पर आधारित प्रश्न पूछेंगे। इनमें से कुछ संकेतों को पाठ से पहले बोर्ड पर लिख लेना मददगार हो सकता है:

- क्या आपने कभी अपने परिवार के किसी सदस्य को अंग्रेज़ी में कोई फॉर्म भरते हुए देखा है? उन्होंने ऐसा क्यों किया था – ड्राइविंग लाइसेंस पाने के लिए या कोई जन्म प्रमाणपत्र पाने के लिए? अंग्रेज़ी शब्दों और अर्थों पर चर्चा करें।
- क्या आपने अपने परिवार में किसी को अंग्रेज़ी में पत्र और/या ईमेल पाते या भेजते हुए देखा है? क्या आपने कभी अंग्रेज़ी में पत्र और/या ईमेल पाया या भेजा है?
- क्या आपने अपने परिवार में किसी को उनका पता अंग्रेज़ी में लिखते हुए देखा है? क्या आप अपना पता अंग्रेज़ी में लिख सकते हैं?
- क्या आपने किसी डॉक्टर को नुस्खा लिखते देखा है? वह अंग्रेज़ी में था या स्थानीय भाषा में?
- क्या आपने किसी पुलिसकर्मी को किसी पर जुर्माना लगाने के लिए 'चालान' लिखते हुए देखा है? वह किस भाषा में

लिखा था?

छात्र–छात्राओं को दो स्तंभों वाली एक सारणी बनाने को कहें। पहले स्तंभ में, वे उन लोगों को लिखेंगे, जिन्हें वे जानते हैं (उदाहरण के लिए, उनके डॉक्टर, एक पुलिसकर्मी, उनकी दादी आदि) या वे इन लोगों के चित्र बना सकते हैं। दूसरे स्तंभ में, वे सूची बनाएँगे कि उन्होंने इन लोगों को अंग्रेज़ी में क्या लिखते और पढ़ते हुए देखा है। अपनी सूचियाँ बनाने में मदद के लिए उन्हें बोर्ड पर लिखे प्रोत्साहकों का उपयोग करना चाहिए।

- क्या आपकी पाठ्यपुस्तक में इनमें से किसी भी अंग्रेज़ी का सन्दर्भ है? क्या आप पाठ्यपुस्तक और छात्र–छात्राओं की सारणियों के बीच कोई संबंध बना सकते हैं?

'रोज़मर्रा' की अंग्रेज़ी के लिए भाषा के सीखने की योजना बनाने के लिए छात्र–छात्राओं की सारणियों का उपयोग करें। देखें कि पाठ्यपुस्तक की सामग्री के साथ आप लिंक कहाँ बना सकते हैं।

ज़रा सोचिए

- क्या आपके लिए या आपके विद्यालय में से किसी के लिए यह संभव होगा कि वे किसी अंग्रेज़ी बोलने वाले व्यक्ति को कक्षा में यह बताने के लिए आमंत्रित करें कि वे अंग्रेज़ी का उपयोग किस तरह करते हैं? क्या आप किसी डॉक्टर, डाकिए या पुलिसकर्मी से संपर्क कर सकते हैं? छात्र–छात्रा अपने आस-पास इन व्यवसायों में होने वाले अंग्रेजी के उपयोग के उदारहण ढूँढकर ऐसी मुलाक़ात के लिए तैयारी कर सकते हैं। कक्षा मेहमान से पूछने के लिए कुछ सरल प्रश्न तैयार कर सकती है। इस मुलाक़ात के बाद, छात्र–छात्रा उस व्यक्ति को अंग्रेज़ी में एक छोटा-सा पत्र लिखकर इस मुलाक़ात के लिए उन्हें धन्यवाद दे सकते हैं।

गतिविधि 6: अंग्रेज़ी और प्रौद्योगिकी

अंग्रेज़ी भाषा और इसकी वर्णमाला दोनों की ही लोकप्रियता भारतीय समुदाय में बढ़ती जा रही है, जिसका कुछ हद तक कारण है प्रौद्योगिकी में इनकी भूमिका। आजकल, लगभग हर किसी के पास मोबाइल फोन होता है। अब लोग अक्सर एक-दूसरे को टेक्स्ट संदेश भेजते हैं, जिनके लिए अक्सर अंग्रेज़ी वाक्यांशों का उपयोग किया जाता है। स्थानीय भाषा में भी टेक्स्ट लिखने के लिए रोमन लिपि का उपयोग बढ़ता जा रहा है।

अपने छात्र–छात्राओं से कहें कि वे समूह में कार्य करें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तरों पर विचार करें:

> आप एक-दूसरे के साथ और अपने परिवारों के साथ संवाद कैसे करते हैं – परिवार के जिन सदस्यों के साथ आप रहते हैं और जो सदस्य कहीं और रहते हैं, उन दोनों के साथ संवाद कैसे करते हैं?

अंत में, प्रत्येक समूह चर्चा से निकले विचार बताता है। जब आप चर्चा और विचार की इस गतिविधि का उपयोग करते हैं, तो प्रत्येक समूह में एक छात्र को इन विचारों को लिखने की ज़िम्मेदारी लेनी चाहिए। वे यह काम अपनी कॉपी में या कागज़ की एक बड़ी शीट पर कर सकते हैं।

जब छात्र–छात्रा चर्चा और विचार कर रहे हैं, तब कक्षा का एक चक्कर लगाएँ। उनके विचारों को सुनें। यदि छात्र–छात्राओं को विचारों के बारे में सोचने में कठिनाई हो रही है, तो आप उनकी मदद करने के लिए इनमें से एक या दो प्रश्नों का उपयोग कर सकते हैं।

- 'क्या आप टेलीफोन या मोबाइल फोन का उपयोग करते हैं?'

- 'क्या आप टेक्स्ट मैसेज भेजते हैं?'
- 'क्या आपने कभी टाइपराइटर देखा है?'
- 'क्या आपने कभी वर्ड प्रोसेसर (कंप्यूटर) का उपयोग किया है?'
- 'क्या आप या आपके माता-पिता चिट्ठियाँ या ईमेल लिखते हैं?'

जब वे इस बारे में अपने विचार लिख लेते हैं कि लोग किस तरह संवाद करते हैं, तो उनसे इस बारे में सोचते को कहें कि लोग इन गतिविधियों के लिए किन भाषाओं का उपयोग करते हैं – क्या या अंग्रेज़ी है, हिन्दी है या उनकी स्थानीय भाषाएँ हैं? या इनका मिश्रण है? उन्हें यह जानकारी अपने चर्चा और विचार चार्ट पर दर्शानी चाहिए।

इसके बाद छात्र–छात्राओं को इकट्ठा करें और इस बारे में कक्षा में चर्चा करें कि हर गतिविधि के लिए किस भाषा का उपयोग करेंगे, यह कैसे तय होता है। क्या कम्प्यूटर कीबोर्ड के कारण अंग्रेजी का उपयोग अधिक आसान है? क्या वे हिंदी में ट्रांसलिटरेट किए गए शब्दों के लिए रोमन स्क्रिप्ट का उपयोग करते हैं? कक्षा के विचारों को ब्लैकबोर्ड पर लिखें ताकि छात्र–छात्रा अधिक अंग्रेजी देख और सुन सकें।

ज़रा सोचिए

- क्या ऐसे कोई तरीके हैं, जिनसे आप अपने पाठों में प्रौद्योगिकी का उपयोग कर सकते हैं?
- क्या छात्र–छात्रा किसी को एक ईमेल या टेक्स्ट संदेश भेजकर उन्हें अपनी कक्षा में आमंत्रित कर सकते हैं या उनकी मुलाकात के लिए उन्हें धन्यवाद दे सकते हैं?
- आप इस टेक्स्ट को साथ मिलकर बोर्ड पर लिख सकते हैं, या अगर आपकी कक्षा ज़्यादा छात्र–छात्राओं वाली है, तो छात्र–छात्रा समूहों में बैठकर अपने संदेश का प्रारूप तैयार कर सकते हैं। इसके बाद कोई इस संदेश को एक कंप्यूटर या मोबाइल फोन पर टाइप कर सकता है। जो छात्र–छात्रा ऐसी गतिविधियों में भाग लेने में शर्माते हैं, जिनमें उन्हें बोलना पड़े, उन छात्र–छात्राओं को आप कंप्यूटर (यदि आपके पास उपलब्ध हो) या मोबाइल फोन पर टाइप करने के लिए ज्यादा समय देकर प्रोत्साहित कर सकते हैं।

वीडियो: स्थानीय संसाधनों का उपयोग करना

5 समुदाय के समक्ष अंग्रेज़ी प्रस्तुत करना

पिछली गतिविधियों में आपने अपने विद्यालयी समुदाय में उपलब्ध अंग्रेज़ी के बारे में और इसे अपनी कक्षा में लाने के तरीके के बारे में विचार किया है। कुछ ऐसे तरीके भी हैं, जिनसे आप और आपकी कक्षा समुदाय तक पहुँच सकते हैं।

गतिविधि 7: समुदाय के समक्ष अंग्रेज़ी प्रस्तुत करना

एक अंग्रेज़ी असेंबली आपके स्थानीय समुदाय को जोड़ने का एक तरीका है। आप वर्ष में एक या दो बार कोई कार्यक्रम आयोजित कर सकते हैं, जिसमें छात्र–छात्राओं के अभिभावक विद्यालय में आते हैं या छात्र एक से दूसरे विद्यालय में जाते हैं।

यह कार्यक्रम इन इकाइयों में सुझाए गए भाषा कार्य के प्रकारों की प्रदर्शनी हो सकती है – उदारहण के लिए छात्र–छात्राओं द्वारा लिखी गई कविताएँ और साथ में चित्र। यह किसी शाम को गायन, नृत्य और नाटक का कार्यक्रम हो सकता है, जहाँ छात्र ये कविताएँ प्रस्तुत करें, अंग्रेज़ी में कोई गीत गाएँ या अंग्रेज़ी में कोई छोटा नाटक प्रस्तुत करें। (यह नाटक किसी कविता का अभिनय हो सकता है या किसी कहानी का भाग हो सकता है। यह पाँच से दस मिनट की अवधि से ज्यादा नहीं होना चाहिए।) यह आवश्यक नहीं है कि पूरा कार्यक्रम अंग्रेज़ी में ही हो, लेकिन इस कार्यक्रम के द्वारा इसके 'प्रदर्शन' का मौका मिलना चाहिए।

जब आप इस कार्यक्रम की योजना बनाते हैं, तो छात्र–छात्रा अंग्रेज़ी में और घर की भाषा में आमंत्रण पत्र तैयार कर सकते हैं। कार्यक्रम के बारे में जागरुकता फैलाने के लिए, वे विद्यालय और समुदाय में प्रदर्शित करने के लिए द्विभाषी पोस्टर बना सकते हैं।

कार्यक्रम के लिए भूमिकाएँ आवंटित करते समय, कक्षा के प्रत्येक छात्र को शामिल करना सुनिश्चित करें:

- कुछ छात्र–छात्रा मेहमानों का स्वागत-सत्कार अंग्रेज़ी में और उनके घर की भाषा में कर सकते हैं। ('गुड आफ्टरनून! प्लीज़ कम इन। प्लीज़ सिट डाउन।')
- कुछ छात्र–छात्रा कार्यक्रम के दौरान द्विभाषी घोषणाएँ कर सकते हैं। ('Now we will have a poem by Class II students.')
- कुछ छात्र–छात्रा 'Welcome' और 'Thank you' जैसे शब्द बनाने के लिए द्विभाषी फ्लैश कार्डों का उपयोग कर सकते हैं।

जब छात्र–छात्रा अपने काम की तैयारी और प्रयास कर रहे हैं तथा इस पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, तब आप देखेंगे कि वे भाषा के उनके उपयोग को मज़बूत बनाते हैं। साथ ही प्रदर्शन में अपनी भूमिका के बारे में सीखते समय, उन्हें अन्य छात्र–छात्राओं की भूमिकाओं को सुनने से भी लाभ होगा।

यह सुनिश्चित करें कि आप कक्षा के हर बच्चे को एक गतिविधि में शामिल करते हैं, जिसमें शैक्षणिक या शारीरिक रूप से विशेष क्षमता वाले छात्र–छात्रा भी शामिल हैं।

बाद में, छात्र–छात्रा उन सभी लोगों को धन्यवाद पत्र भेज सकते हैं, जो लोग कार्यक्रम में उपस्थित थे।

अक्सर अभिभावक यह देखने को उत्सुक होते हैं कि उनके बच्चे विद्यालय में क्या सीख रहे हैं। संभव है कि वे इस बारे में अनिश्चित हों कि उनके बच्चे पाठ्यपुस्तक की सामग्री के बाहर क्या सीख सकते हैं। जब वे अपने बच्चों को अंग्रेज़ी में बोलते हुए, कविताएँ, गीत और नाटक प्रस्तुत करते हुए देखते हैं, तो उन्हें बच्चों पर गर्व महसूस होगा। इसके बाद शायद वे यह भी समझ सकेंगे कि अंग्रेज़ी सीखना विद्यालय की कॉपियों से बाहर भी जारी रखना चाहिए।

6 सारांश

इस इकाई में आपने अपने छात्र–छात्राओं की अंग्रेज़ी के पूर्व ज्ञान के आधार पर विस्तार करने के तरीकों को जाना और यह भी देखा कि समुदाय में उपयोग की जाने वाली अंग्रेज़ी को आप किस तरह अपनी कक्षा तक ला सकते हैं। आपने अपने विद्यालयी समुदाय में अंग्रेज़ी की मौजूदगी के बारे में और अंग्रेज़ी के इन उपयोगों को बढ़ाने वाली कुछ कक्षा गतिविधियों के बारे में विचार कर चुके हैं। आपने उन तरीकों के बारे में भी सोचा, जिनके द्वारा आप समुदाय के सदस्यों को अपनी अंग्रेज़ी भाषा की कक्षा में शामिल कर सकते हैं, या तो उन्हें कक्षा में यह बोलने के लिए आमंत्रित करके कि वे अपने जीवन और व्यवसाय में अंग्रेज़ी का उपयोग किस प्रकार करते हैं, या फिर उन्हें अंग्रेज़ी कार्यक्रम के लिए आमंत्रित करके।

प्रारंभिक अंग्रेज़ी हेतु इस विषय पर अन्य शिक्षक विकास इकाईयाँ हैं:

- *कक्षा की दिनचर्याएँ*
- *पाठ्यपुस्तक का रचनात्मक ढंग से उपयोग करना*
- *अंग्रेज़ी और विषय सामग्री एकीकरण*
- *रचनात्मक कलाओं में अंग्रेज़ी सीखना।*

संसाधन

संसाधन 1: स्थानीय संसाधनों का उपयोग करना

शिक्षण के लिए केवल पाठ्यपुस्तकों का ही नहीं – बल्कि अनेक शिक्षण संसाधनों का उपयोग किया जा सकता है। यदि आप विभिन्न ज्ञानेंद्रियों (दृष्टि, श्रवण, स्पर्श, गंध, स्वाद) का उपयोग करने वाले तरीकों के बारे में बात करेंगे, तो आप छात्र–छात्राओं के सीखने के विभिन्न तरीकों को आकर्षित करेंगे। आपके इर्दगिर्द ऐसे संसाधन उपलब्ध हैं जिनका उपयोग आप कक्षा में कर सकते हैं, और जिनसे आपके छात्र–छात्राओं की सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को समर्थन मिल सकता है। कोई भी विद्यालय शून्य या कम लागत से अपने स्वयं के शिक्षण संसाधनों को उत्पन्न कर सकता है। इन सामग्रियों को स्थानीय ढंग से प्राप्त करके, पाठ्यक्रम और आपके छात्र–छात्राओं के जीवन के बीच संबंध बनाए जाते हैं।

आपको अपने नजदीकी पर्यावरण में ऐसे लोग मिलेंगे जो विविध प्रकार के विषयों में पारंगत हैं; आपको कई प्रकार के प्राकृतिक संसाधन भी मिलेंगे। इससे आपको स्थानीय समुदाय के साथ संबंध जोड़ने, उसके महत्त्व को प्रदर्शित करने, छात्र–छात्राओं को उनके पर्यावरण की प्रचुरता और विविधता को देखने के लिए प्रोत्साहित करने, और संभवतः सबसे महत्त्वपूर्ण रूप से, छात्र–छात्राओं के शिक्षण में समग्र दृष्टिकोण – यानी, विद्यालय के भीतर और बाहर शिक्षा को अपनाने की ओर काम करने में सहायता मिल सकती है।

अपनी कक्षा का अधिकाधिक लाभ उठाना

लोग अपने घरों को यथासंभव आकर्षक बनाने के लिए कठिन मेहनत करते हैं। उस परिवेश के बारे में सोचना भी महत्त्वपूर्ण है जहाँ आप अपने छात्र–छात्राओं को शिक्षित करने की अपेक्षा करते हैं। आपकी कक्षा और विद्यालय को पढ़ाई की एक आकर्षक जगह बनाने के लिए आप जो कुछ भी कर सकते हैं उसका आपके छात्र–छात्राओं पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। अपनी कक्षा को रोचक और आकर्षक बनाने के लिए आप बहुत कुछ कर सकते हैं – उदाहरण के लिए, आप:

- पुरानी पत्रिकाओं और पुस्तिकाओं से पोस्टर बना सकते हैं
- वर्तमान विषय से संबंधित वस्तुएँ और शिल्पकृतियाँ ला सकते हैं
- अपने छात्र–छात्राओं के काम को प्रदर्शित कर सकते हैं
- छात्र–छात्राओं को उत्सुक बनाए रखने और सीखने–सिखाने की नई प्रक्रिया को प्रेरित करने के लिए कक्षा में प्रदर्शित चीजों को बदलें।

अपनी कक्षा में स्थानीय विशेषज्ञों का उपयोग करना

यदि आप गणित में पैसे या परिमाणों पर काम कर रहे हैं, तो आप बाज़ार के व्यापारियों या दर्जियों को कक्षा में आमंत्रित कर सकते हैं और उन्हें यह समझाने को कह सकते हैं कि वे अपने काम में गणित का उपयोग कैसे करते हैं। वैकल्पिक रूप से, यदि आप कला के प्रकारों और आकृतियों का अध्ययन कर रहे हैं, तो आप विभिन्न आकृतियों, डिजाइनों, परंपराओं और तकनीकों का वर्णन करने के लिए मेहंदी [वैवाहिक मेहंदी] डिजायनरों को विद्यालय में आमंत्रित कर सकते हैं। अतिथियों को आमंत्रित करना तब सबसे उपयोगी होता है जब शैक्षणिक लक्ष्यों के साथ संबंध हर एक व्यक्ति को स्पष्ट होता है और सामयिकता की साझा अपेक्षाएं मौजूद होती हैं।

आपके विद्यालय के समुदाय के भीतर भी ऐसे विशेषज्ञ हो सकते हैं (जैसे रसोइया या केयर टेकर) जिनका छात्र–छात्रा अपने शिक्षण के संबंध में अनुवर्तन या साक्षात्कार कर सकते हैं; उदाहरण के लिए, भोजन पकाने में प्रयुक्त परिमाणों का पता लगाना, या जानना कि विद्यालय के मैदानों और इमारतों को मौसम की अवस्थाएं कैसे प्रभावित करती हैं।

बाह्य पर्यावरण का उपयोग करना

आपकी कक्षा के बाहर संसाधनों की एक विशाल शृंखला है जिनका उपयोग आप अपने पाठों में कर सकते हैं। आप पत्तों, मकड़ियों, पौधों, कीटों, पत्थरों या लकड़ी जैसी वस्तुओं को एकत्रित कर सकते हैं (या अपनी कक्षा से एकत्रित करने को कह सकते हैं)। इन संसाधनों को कक्षा में लाकर कक्षा में रोचक प्रदर्शन योग्य वस्तुएं बनाई जा सकती हैं जिनका संदर्भ पाठों में किया जा सकता है। इनसे चर्चा या वर्गीकरण, अथवा जीवित या अजीवित वस्तुओं पर गतिविधि जैसे प्रयोगों के लिए वस्तुएँ उपलब्ध हो सकती हैं। बस की समय सारणियों या विज्ञापनों जैसे संसाधन भी आसानी से उपलब्ध हो सकते हैं जो आपके स्थानीय समुदाय के लिए प्रासंगिक हो सकते हैं – इन्हें शब्दों को पहचानने, गुणों की तुलना करने या यात्रा के समयों की गणना करने के कार्य निर्धारित करके शिक्षा के संसाधनों में बदला जा सकता है।

बाहर की वस्तुओं को कक्षा में लाया जा सकता है – लेकिन बाहर का परिवेश आपकी कक्षा का विस्तार-क्षेत्र भी हो सकता है। आम तौर पर सभी छात्र–छात्राओं के लिए चलने-फिरने और अधिक आसानी से देखने के लिए बाहर अधिक जगह होती है। जब आप अपनी कक्षा को शिक्षण के लिए बाहर ले जाते हैं, तब वे निम्न प्रकार की गतिविधियाँ कर सकते हैं:

- दूरियों का अनुमान करना और उन्हें मापना
- प्रदर्शित करना कि किसी वृत्त पर स्थित हर बिंदु केंद्रीय बिंदु से समान दूरी पर होता है
- दिन के भिन्न समयों पर परछाइयों की लंबाई रिकार्ड करना
- संकेतों और निर्देशों को पढ़ना
- साक्षात्कार और सर्वेक्षण करना
- सौर पैनलों की खोज करना
- फसल की वृद्धि और वर्षा का अनुश्रवण करना।

बाहर में, उनका सीखना वास्तविकताओं और उनके अपने अनुभवों पर आधारित होता है, और अन्य संदर्भों में अधिक स्थानांतरणीय होता है।

यदि आपके बाहर के काम में विद्यालय के परिसर को छोड़ना शामिल हो तो, जाने से पहले आपको विद्यालय के प्रधानाध्यापक की अनुमति लेनी चाहिए, समय सारणी बनानी चाहिए, सुरक्षा की जाँच करनी चाहिए और छात्र–छात्राओं को नियम स्पष्ट करने चाहिए। आपके रवाना होने से पहले आप और आपके छात्र–छात्राओं को स्पष्ट जानकारी होनी चाहिए कि क्या सीखा जाना है।

संसाधनों का अनुकूलन करना

आप चाहें तो मौजूदा संसाधनों को अपने छात्र–छात्राओं के लिए अधिक उपयुक्त बनाने के लिए अनुकूलित कर सकते हैं। ये परिवर्तन छोटे से हो सकते हैं किंतु बड़ा अंतर ला सकते हैं, विशेष तौर पर यदि आप शिक्षण को कक्षा के सभी छात्र–छात्राओं के लिए प्रासंगिक बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, आप जगह और लोगों के नाम तब बदल सकते हैं यदि वे किसी अन्य प्रदेश से संबंधित हों, या गीत में किसी व्यक्ति का लिंग बदल सकते हैं, या किसी विशेष क्षमता वाले बच्चे को कहानी में शामिल कर सकते हैं। इस तरह से आप संसाधनों को अधिक समावेशी और अपनी कक्षा और उनकी शिक्षण-प्रक्रिया के उपयुक्त बना सकते हैं।

संसाधनयुक्त होने के लिए अपने सहकर्मियों के साथ काम करें: संसाधनों की उत्पत्ति और अनुकूलन के लिए आपके बीच विविध कौशल उपलब्ध होंगे। एक सहकर्मी के पास संगीत, जबकि दूसरे के पास कठपुतलियाँ बनाने या कक्षा के बाहर के विज्ञान को नियोजित करने के कौशल हो सकते हैं। आप अपनी कक्षा में जिन संसाधनों को उपयोग करते हैं उन्हें अपने सहकर्मियों के साथ साझा कर सकते हैं ताकि अपने विद्यालय के सभी क्षेत्रों में एक प्रचुर शिक्षण वातावरण बनाने में आप सबकी सहायता हो सके।

अतिरिक्त संसाधन

- Teachers of India classroom resources: http://www.teachersofindia.org/en
- 'Children talk their way into literacy' by Gordon Wells: http://people.ucsc.edu/~gwells/Files/Papers_Folder/Talk-Literacy.pdf

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Amritavalli, R. (2007) *English in Deprived Circumstances: Maximising Learner Autonomy*. Department of Linguistics, The English and Foreign Languages University, University Publishing Online, Foundation Books.

Cummins, J. (undated) 'BICS and CALP' (online), Jim Cummins' Second Language Learning and Literacy Development Web. Available from: http://iteachilearn.org/cummins/bicscalp.html (accessed 2 July 2014).

Cummins, J. (2000) *Language, Power, and Pedagogy: Bilingual Children in the Crossfire*. Bristol: Multilingual Matters.

Gibbons, P. (2002) *Scaffolding Language, Scaffolding Learning: Teaching Second Language Learners in the Mainstream Classroom*. Portsmouth: Heinemann.

Krashen, S. (1981) *Second Language Acquisition and Second Language Learning*. Oxford: Pergamon Press.

Krashen, S. (1982) *Principles and Practice in Second Language Acquisition*. Oxford: Pergamon Press.

Mohan, B. (1986) *Language and Content*. Reading, MA: Addison-Wesley.

Mohan, B., Leung, C. and Davison, C. (eds) (2001) *English as a Second Language in the Mainstream: Teaching, Learning and Identity*. New York, NY: Longman.

Wells, G. (2003) 'Children talk their way into literacy', published as 'Los niños se alfabetizan hablando' in García, J.R. (ed.) *Enseñar a escribir sin prisas … pero con sentido*. Sevilla, Spain: Publicaciones MCEP. Available from: http://people.ucsc.edu/~gwells/Files/Papers_Folder/Talk-Literacy.pdf (accessed 8 July 2014).

Wells, G. (2009) *The Meaning Makers: Learning to Talk and Talking to Learn*, 2nd edn. Bristol: Multilingual Matters.

अभिस्वीकृतियाँ

यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है, जब तक कि अन्यथा निर्धारित न किया गया हो। यह लाइसेंस TESS-

India, OU और UKAID लोगो के उपयोग को वर्जित करता है, जिनका उपयोग केवल TESS-India परियोजना के भीतर अपरिवर्तित रूप से किया जा सकता है।

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन शिक्षक प्रशिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों और छात्र–छात्राओं के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।